(2)

बच्चों को दिया जाएगा पौधों के संरक्षण का संस्कार

गजाधर द्विवेदी • गोरखपुर

बच्चों में औषधीय पौधों के संरक्षण का संस्कार डालने के लिए महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने पहल की है। स्कूलों में बच्चों को योग सिखाया जाएगा। उन्हें एक औषधीय पौधा प्रदान किया जाएगा। एक माह बाद जिनके पौधे स्वस्थ रहेंगे, उन्हें 500 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। बच्चों का पौधों से लगाव हो, इसलिए विश्वविद्यालय ने यह योजना बनाई है।

विश्वविद्यालय के आग्रह पर प्रदेश के सभी 94 आयुष महाविद्यालयों में इंटर्नशिप कर रहे डाक्टर गांवों में जाकर प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को योग सिखाएंगे। विश्व योग दिवस पर 21 जून को उन्हें अपने कालेज में बुलाकर एक औषधीय पौधा देंगे। इसके साथ ही पौधों के औषधीय गुणों व महत्व के बारे में कागज पर लिखा एक लेख भी प्रदान करेंगे, ताकि उन्हें पौधे के बारे में जानकारी हो सके। बच्चे पौधा अपने घर पर लगाएंगे, उन्हें नियमित पानी देंगे। एक माह बाद उसकी फोटो कालेज को वाट्सएप पर भेजेंगे। जिसका पौधा स्वस्थ होगा, उसे पुरस्कृत किया जाएगा। एक आयुष महाविद्यालय ने पांच गांवों को गोद लिया है। उन्हीं गांवों में यह अभियान चलाया जाएगा।

नौग्रह वाटिका के पौधे

सूर्य- लाल गुलाब, मदार या कनेर
चंद्रमा- पलाश, कनेर या चमेली
मंगल- गुड़हल, खैर या लाल चंदन
बुध- अपामार्ग, पान या बेला
गुरु- केला, पत बेल या गेंदी
शुक्र- गूलर, कनेर या तुलसी
शनि- शमी या शमा बैजंती
राहु- दूर्वा, नीम या सदा सुहाग
केतु- कुशा, पत बेल या गेंदी

नक्षत्र वाटिका के पौधे

अश्विनी- केला, आक या धतूरा, भरणी- केला या आंवला, कृतिका- गूलर, रोहिणी- जामुन, मृगशिरा- खैर, आर्द्रा- आम या बेल, पुनर्वसु- बांस, पुष्य- पीपल, अश्लेषा- नागकेशर या चंदन, मघा- बड़, पूर्वा फाल्गुनी- ढाक, उत्तरा फाल्गुनी- बड़ या पाकड़, हस्त- रीठा, चित्रा- बेल, स्वाति- अर्जुन, विशाखा- नीम या विकक, अनुराधा- मौलसिरी, ज्येष्ठा- रीठा, मूल- राल, पूर्वाषाढ- मौलसिरी या जामुन, उत्तराषाढ- कटहल, श्रवण- आक, धनिष्ठा- शमी या सेमर, शतभिषा- कदंब, पूर्वा भाद्रपद- आम, उत्तरा भाद्रपद- पीपल या सोनपाठा, रेवती- महुआ।

महाविद्यालयों में बनाई जाएगी नौग्रह व नक्षत्र वाटिका

यहां भटहट में बन रहे विश्वविद्यालय समेत सभी आयुष महाविद्यालयों में नक्षत्र व नौग्रह वाटिका बनाई जाएगी। इसकी तैयारी चल रही है। दोनों वाटिकाओं में लगाए जाने वाले पौधों की सूची बना ली गई है। इससे विद्यार्थी ग्रहों व नक्षत्रों से संबंधित पेड़-पौधों के बारे में जान सकेंगे।

"सभी आयुष महाविद्यालयों से आग्रह किया गया है कि वे औषधीय पौधों के संरक्षण अभियान को आगे बढ़ाएं। शिक्षकों व छात्रों को प्रेरित किया जा रहा है कि एक दिन में पांच व्यक्तियों को दिनचर्या, रात्रिचर्या व ऋतुचर्या के बारे में बताएं, ताकि लोग स्वस्थ रहें।

प्रो. एके सिंह, कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय

योग सिखाने के साथ बच्चों को प्रदान किए जाएंगे औषधीय पौधे, एक माह बाद जिसका पौधा स्वस्थ होगा, किया जाएगा पुरस्कृत